VRS8
DP7(5)

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - VII)

GENERAL STUDIES (Test - VII)

मॉड्यूल - VII / Module - VII

DTVF/17–M–GS7

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): विक्रम [illegible]

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 27/09/17

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न हैं।

Evaluation Analysis

Introduction	C
Context	C
Language	C
Content	D
MARKS	49 /250
Conclusion	B
Structure	C
Current Link / Examples	B

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- विषय वस्तु का अध्ययन करें।

- सभी पक्षों की चर्चा करें।

-

-

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. बैंक समेकन इसके आकार, अंशों के मूल्यांकन, निर्णयन स्वीकृति और इसी तरह के कारकों के कारण एक जटिल कार्य है। प्रभावी समेकन हेतु रणनीतियों और चुनौतियों का विशदीकरण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The bank consolidation is a complex task due to its size, valuation of shares, decision acceptance and so on. Elucidate the challenges and strategies for effective consolidation. (250 words) 12.5

विश्व के बड़े बैंकों की सूची में भारतीय बैंक अपना स्थान बनाने में अक्सर नाकाम रहते हैं साथ ही छोटे बैंको से कई प्रशासनिक एवं असमानताओं की समस्याएं भी पैदा होती हैं इसी संदर्भ में छोटे बैंकों के विलयीकरण की बात उठती रही है।

हाल ही में देश के सबसे बड़े बैंक एस. बी. आई. द्वारा अपने 5 सहयोगी बैंको का अपने में विलय किया गया तथा महिला बैंक का भी एस. बी. आई. में विलय हुआ। परन्तु बैंकों के विलय में कई चुनौतियाँ आती हैं –

- प्रायोजक बैंक की बैंकिंग इन्फ्रा
- कर्मचारियों का स्थानान्तरण संबंधी
- निर्णय सहभागिता का मुद्दा
- आधार पूंजी एवं एन. पी. ए. की समस्या

भूमिका और स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

— कितने बैंकों का विलय हो - यह प्रश्न जटिल है।

इसलिए बैंको के समेकन हेतु एक निश्चित रणनीति का पालन होना चाहिए -

— पहले बैंकों की एन. पी. ए की समस्या का समाधान हो
— कर्मचारियों एवं प्रबंधन संबंधी नियमों का स्पष्टीकरण
— अंशो का उचित मूल्यांकन
— समान कार्यप्रणाली के बैंकों का ही आपसी विलय हो।
— बैंकिंग अधिनियम का पालन हो।

वास्तव में बड़े बैंक होने से वित्तीय अस्थिरता को झेलने की क्षमता बढ़ती ही है, ज्यादा कुशल होते हैं तथा अर्थव्यवस्था का सम्यक क्रियान्वयन होता है।

यह सही है कि बैंक अर्थव्यवस्था की रक्त धमनियां होती हैं इसलिए उचित एवं कुशल प्रबंधन द्वारा ही बैंक समेकन हो तथा पारदर्शी एवं जवाबदेह तथा सहभागी प्रक्रिया का पालन हो।

तथ्यों और साथ चुनौतियों और प्रयासों और स्पष्ट करें।

(3)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. क्या आप समझते हैं कि NDB और AIIB के निर्माण के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संसाधनों पर पश्चिम के नियंत्रण का युग समाप्त होना प्रारंभ हो गया है जो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाज़ार में वैकल्पिक स्रोत के रूप में उभरे हैं? (250 शब्द) 12.5

Do you understand that the era of west's control over the international financial resources has started eroding by the creation of NDB and AIIB, which have emerged as alternative source of funding in the international financial market. Discuss. (250 words) 12.5

ब्रिक्स देशों द्वारा न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना तथा एशियाई राष्ट्रों द्वारा चीन के नेतृत्व में एशियाई इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक की स्थापना विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को ऋण एवं गति प्रदान करने के लिए की गई।

AIIB और NDB के संदर्भ में और चर्चा करें।

अभी तक चाहे आई.एम.एफ हो या वर्ल्ड बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान, सभी पर विकसित देशों मुख्यतः अमेरिका, प. यूरोप के देशों का ही नियंत्रण है तथा यह देश अपनी नीतियों के अनुरूप इसमें फेर-बदल करते रहे हैं। एन.डी.बी. तथा ए.आई.आई.बी की स्थापना से इनके वर्चस्व को चुनौती निश्चित रूप से मिली है।

NDB तथा AIIB के लाभ -

- पश्चिमी देशों का केंद्रीय अर्थव्यवस्थाओं में हस्तक्षेप कम होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- ऋण लेने पर मानवाधिकार, श्रम के आधार पर लगाये जाने वाले प्रतिबंध नहीं लगेंगे।

- एकीकृत एशियाई बाजार एवं विकासशील देश एकजुट

- इन्फ्रा अवसंरचनाओं को तीव्र गति मिलेगी।

लेकिन इसके बावजूद इसमें बाधाएँ भी कम नहीं हैं –

- NDB एवं AIIB देशों के मध्य सामन्जस्य का अभाव
- देशों का अधिक पिछड़ापन
- निर्णय की समस्या – कौन लेगा, कैसे लागू होगा आदि।

आज भी एशियाई राष्ट्र अपने विकास हेतु पश्चिमी नियंत्रण वाली संस्थाओं पर ही निर्भर हैं अतः आवश्यकता इस बात की है कि IMB, WB, WTO आदि में पर्याप्त सुधार किये जायें तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का कोटा बढ़ाया जाये साथ ही NDB एवं AIIB को आपसी सहयोग द्वारा सशक्त किया जाये ऐसा कर निश्चित रूप से इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं का विकास होगा।

वित्तीय बाजार के स्रोतों के संदर्भ में और चर्चा करें।

2½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. भारतीय स्टार्टअप्स के लिये अवसर और चुनौतियाँ विकसित और अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं से कैसे भिन्न हैं? भारत में इस क्षेत्र के विकास हेतु उपयुक्त उपाय सुझाते हुए चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

How, India's start-up's challenges and opportunities differ from developed and emerging economies. Discuss suggesting suitable measures to promote this sector in India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

स्टार्टअप्स ऐसे आर्थिक संस्थान या प्रक्रिया है जब कोई कम्पनी पहली बार स्थापित होती है। आज सरकार द्वारा स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए 'स्टार्टअप्स इंडिया' कार्यक्रम चलाया जा रहा है ताकि 'जॉब सीकर्स' की जगह 'जॉब क्रिएटर्स' की अवधारणा का विकास हो।

विकसित देशों में स्टार्टअप्स के लिए बेहतर सुविधाएं एवं इंफ्रा है जबकि भारत में इनके लिए निम्न चुनौतियां हैं—

- आधारभूत अवसंरचना की कमी जैसे- बिजली, बैंक पहुंच
- निवेशकों को विश्वास नहीं है।
- व्यवसायिक एप्रोच की सोचशीलता का अभाव
- प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धा संबंधी चुनौतियां।

लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद भारत के स्टार्टअप्स अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं इस क्षेत्र

स्टार्टअप के संदर्भ में भारतीय परिस्थितियों की ओर चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में भारत को पर्याप्त अवसर हैं -

- जनांकिकीय लाभांश से लाभ
- सरकारी प्रोत्साहन एवं निजी उद्यमशीलता का सहयोग
- आर्थिक अवसंरचना की उपलब्धता
- बड़ा बाजार

इसलिए भारत को इस क्षेत्र में पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है इसके लिए -

संबंधित उदाहरणों व तथ्यों को और स्पष्ट करें।

- एंजेल इन्वेस्टर्स को प्रोत्साहन
- बड़ी कंपनियों को सहयोगी भूमिका निभानी चाहिए।
- शैक्षिक संस्थानों से प्रतिस्पर्धा हेतु कुशलता विकास।
- वित्तीय सहायता एवं प्रारंभिक सब्सिडी।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि स्टार्टअप द्वारा न केवल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी अपितु रोजगार संवर्द्धन भी होगा इसलिए युवाओं को स्टार्टअप हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि वे अपना परचम विश्व में फहरा सकें।

(3)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

4. डिजिटल लेनदेनों की सुरक्षा और सभी हितधारकों को समान प्रतियोगी स्तर प्रदान करना भारत में चिंता का मुख्य विषय बन गया है। इस क्षेत्र के विकास को अवरुद्ध करने वाले मुख्य मुद्दों की चर्चा करें। इन मुद्दों के समाधान हेतु अपनाए जाने वाले मुख्य उपायों को रतन पी. वाटल समिति की मुख्य सिफारिशों के साथ बताएँ। (250 शब्द) 12.5

Safeguarding the security of digital transactions and providing level playing field to all stakeholders have become the subject of key concern in India. Discuss the issues plaguing the development of this sector. Suggest measures to be taken with key recommendations of the Ratan P. Watal committee to fixing these issues. (250 words) 12.5

भारतीय अर्थव्यवस्था को कालेधन, जाली नोटों, मनी लॉन्ड्रिंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए 'डिजिटल अर्थव्यवस्था' के युग की शुरुआत की गई तथा विमुद्रीकरण, नयी वित्तीय इलेक्ट्रॉनिक अवसंरचनाओं के विकास द्वारा कैशलेस इकोनामी की तरफ कदम बढ़ाया गया परन्तु यहां सुरक्षा तथा समान प्रतियोगी स्तर एक चुनौती है –

डिजिटल लेनदेन से संबंधित भारतीय परिस्थितियों और चर्चा करें

__सुरक्षा संबंधी समस्याएं –__

- हैकिंग की समस्या - अकाउंट से पैसा कम जाता है।
- लेनदेन में हेर-फेर
- आतंकी वित्त पोषण की निगरानी समस्या
- बैंकिंग अवसंरचना की कमी।

__समान प्रतियोगिता की चुनौतियां –__

- डिजिटल डिवाइड बहुत ज्यादा है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल अवसंरचना का अभाव।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- गुणवत्ता परक अवसंरचना नहीं।
- जनसंख्या का 27% भाग निरक्षर है।
- दुर्गम क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं न के बराबर।

इन उपरोक्त मुद्दों के कारण डिजिटल लेनदेन में समस्याएं आती हैं यद्यपि सरकार द्वारा भीम एप, यू. पी. आई., पेटीएम आदि का विकास तथा प्रसार किया गया है। रतन पी. वाटल समिति की स्थापना भी अर्थव्यवस्था को डिजिटल आधार कैसे प्रदान किया जाए इस हेतु बनायी गई इसकी सिफारिशें -

- ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता को बढ़ावा देना।
- विश्व स्तरीय बैंकिंग ढांचा का विकास।
- बैंकिंग प्रशिक्षण एवं कुशलता का विकास।
- बैंकों को एवं खातों को इंटरलिंक करना आदि।

सरकार एवं निजी क्षेत्र के प्रयासों से डिजिटल अर्थव्यवस्था का सपना साकार हो सकता है साथ ही इसके लिए ग्रामीण डिजिटल साक्षरता मिशन तथा वित्तीय प्रबंधन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

समिति की सिफारिशों की ओर चर्चा करें।

3½

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. भारतीय साख्यिकी संस्थान और विश्व बैंक ने यह प्रदर्शित किया है कि ऋण माफी भारतीय कृषि समस्या के लिये समाधान नहीं है। ऋण माफी समाधान के भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेंगे? भारतीय कृषि समस्या को संबोधित किये जाने वाले उपयुक्त उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 12.5

Indian statistical institute and the World Bank have shown that loan waiver is not a solution to Indian agriculture mess. What would be the repercussions of loan waiver solution in the Indian Economy. Suggest measures to be taken to address Indian agriculture mess in sustainable manner. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है परन्तु कृषि जोखिमों के कारण कृषकों को अक्सर ऋण लेना पड़ता है इसलिए सरकार ने कुछ वर्ष पहले 70,000 करोड़ रुपये की ऋण माफी की थी वहीं इस वर्ष उत्तर प्रदेश, पंजाब आदि सरकारों ने कृषि ऋण माफी की घोषणा की।

इस संदर्भ में भारतीय सांख्यिकी संस्थान तथा विश्व बैंक ने स्पष्ट कहा कि इस ऋण माफी से कृषि समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा सकता।

ऋण माफी के संदर्भ में तथ्यों को और स्पष्ट करें

कृषि ऋण माफी के लाभ -

- लघु एवं सीमांत कृषक ऋण जाल से मुक्त
- कृषि उत्पादकता को बढ़ाना मिल सकता है - नये आगतों के प्रयोग द्वारा
- कृषक आत्महत्या पर नियंत्रण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हानियाँ –

– कृषक अकर्मण्यता का विस्तार
– जो किसान सक्षम थे वह भी ऋण मुक्त हो जायेंगे।
– कृषि निवेश पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।
– आगे भी सरकार से ऐसी ही अपेक्षा रख सकते हैं।
– राजकोष पर प्रतिकूल प्रभाव।

वास्तव में कृषि ऋण माफी कृषकों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं है इसके लिए –

ऋणमाफी से संबंधित चुनौतियों और उपायों को और स्पष्ट करें

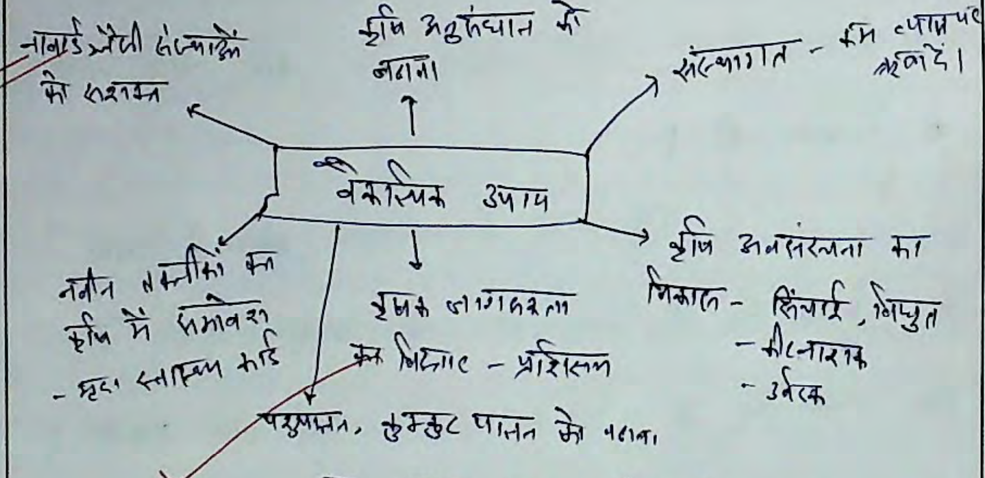

4

इस प्रकार इन उपायों को अपनाकर कृषकों एवं कृषि को सशक्त किया जा सकता है तथा द्वितीय हरित क्रांति का विस्तार भी संभव हो सकता है ताकि भारत की 70% कृषि जनसंख्या को सशक्तिकरण होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों की चुनौतियों पर टिप्पणी कीजिये, जिनका भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। ज़ीरो डिफेक्ट, ज़ीरो इफेक्ट (ZED) पहल के महत्त्व पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए इन चुनौतियों का सामना करने हेतु सुझाव प्रस्तुत करें। (250 शब्द) 12.5

Comment on the challenges for micro, small and medium enterprises (MSMEs) which have significant part in the Indian economic growth. Discuss in brief the importance of the zero defect, zero effect (ZED) scheme which suggesting measures to be taken for facing these challenges. (250 words) 12.5

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम ऐसी इकाईयां हैं जो कम पूंजी एवं स्थानीय संसाधनों के उपयोग पर आधारित होती हैं ये श्रम गहन होती है तथा इनकी रोजगार क्षमता बड़े उद्योगों से 7 गुना अधिक होती है।

भूमिका को MSME के संदर्भ में और स्पष्ट करें

चुनौतियां -

- ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण एवं बैंकिंग अवसंरचना का अभाव
- आर्थिक उदारीकरण के बाद इन पर पर्याप्त ध्यान न देना।
- अवसंरचनाओं संबंधी कमजोरियां
- अकुशल श्रमिक हैं।
- बाल श्रम की समस्या।

इनके बावजूद यह भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखते हैं -

- स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को बढ़ावा देते हैं।
- लैंगिक भेदभाव नहीं है यहां।
- स्थानीय संसाधनों का उचित उपयोग।

अब सरकार इनको प्रोन्नत करने के लिए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लगातार प्रोत्साहन दे रही है इसी संदर्भ में जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट पहल को प्रारंभ किया गया।

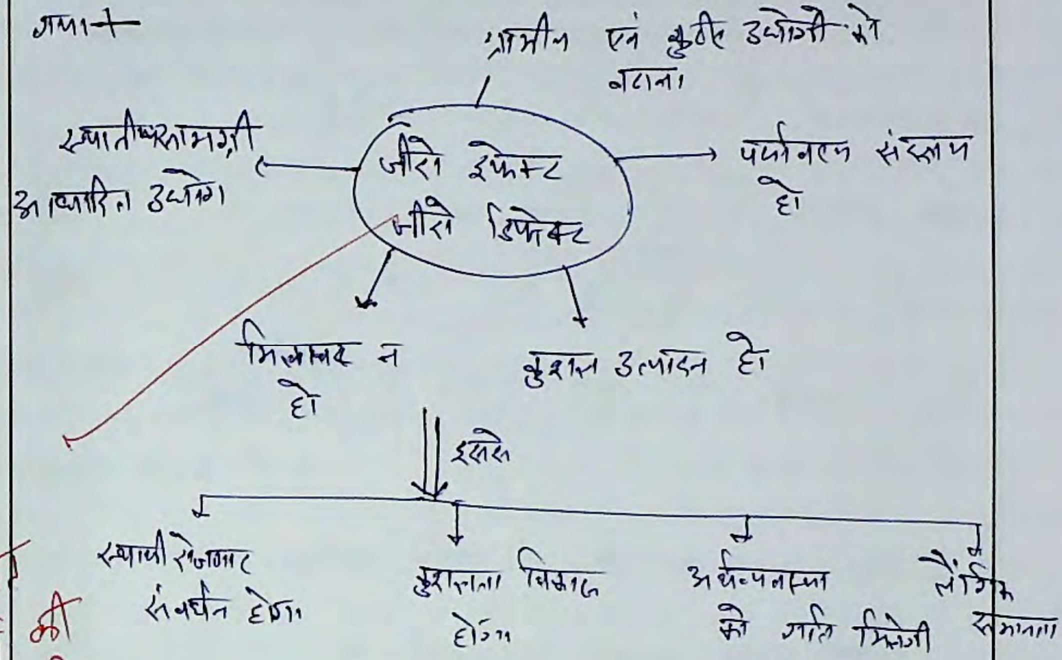

संबंधित उपायों की और चर्चा करें!

इसलिए इन उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु स्थानीय सामुदायिक भागीदारी अति आवश्यक है, महिलाओं एवं युवाओं को प्रशिक्षण द्वारा इसका विकास किया जा सकता है। इसलिए ग्रामीण क्षेत्र के विकास तथा कृषि निर्भरता कम करने में यह उद्योग आधारस्तंभ सिद्ध हो सकते हैं।

3

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. पूंजीगत व्ययों में वृद्धि करने तथा राजस्व व्ययों में वृद्धि न करने की प्रवृत्ति शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के लिये समस्याजनक है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The tendency to promote capital expenditure and check the growth of revenue expenditure is problematic for crucial sectors such as education and health. Do you agree with this view? Give arguments in favour of your answer. (250 words) 12.5

पूँजीगत व्यय ऐसे व्यय है जिनसे सम्पत्ति सृजन होता है जबकि राजस्व व्ययों को गैर उत्पादक माना जाता है। उदाहरण के लिए किसी बाँध या सिंचाई परियोजना पर व्यय पूँजीगत व्यय है जबकि वेतन, ब्याज अदायगी आदि राजस्व व्यय है।

पूँजीगत व्ययों में वृद्धि तथा राजस्व व्ययों में वृद्धि न करना शिक्षा एवं स्वास्थ्य विकास पर निम्न प्रभाव डाल सकता है —

— शिक्षा, स्वास्थ्य पर कम बजट आवंटन।
— व्यावसायिक शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य बाधित हो सकता
— भारत में तो दोहरी मार पड़ सकती है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में दोनों का अभाव है।

परन्तु इसके बावजूद सरकार शिक्षा तथा स्वास्थ्य पर व्यय को बढ़ा रही है नई स्वास्थ्य नीति 2017

पूँजीगत व्यय और राजस्व व्यय को और स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के अनुसार इसे जी.डी.पी. का 2.5% तक करना है। साथ ही सफलता से छोड़ो नकार सरकार व्यावसायिक एवं डिजिटल शालाओं तक को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम इसी प्रकार का कार्यक्रम है।

संबंधित आँकड़ों की और चर्चा करें

उपाय -

- सरकार एवं निजी क्षेत्र दोनों को पीपीपी मॉडल के विकास को अपनाना चाहिए
- पूंजीगत व्यय वास्तव में विकास का आधार तैयार करते हैं इसलिए राजस्व व्यय के साथ इनका सामन्जस्य हो।
- स्थानीय स्तर पर शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी नीतियों का क्रियान्वयन हो।

मुख्य मुद्दा पूंजीगत व्यय एवं राजस्व व्यय को लेकर नहीं है बात है कि नीतियों का ढंग से क्रियान्वयन हो ताकि अर्थव्यवस्था को गति प्रदान हो सके।

2½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. उद्योगों हेतु तैयार कार्यबल के सृजन से भारत को दुनिया की कौशल राजधानी बनाने में 'राष्ट्रीय प्रशिक्षु संवर्द्धन योजना' कैसे सहायक होगी? समीक्षा करें। (250 शब्द) 12.5

How 'National Apprenticeship Promotion Scheme' would be helpful in making India the skill capital of world for creation of workforce to be ready for Industries? Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत की बड़ी आबादी युवा वर्ग में शामिल है जिससे यहां जनांकिकीय लाभांश की स्थिति है-

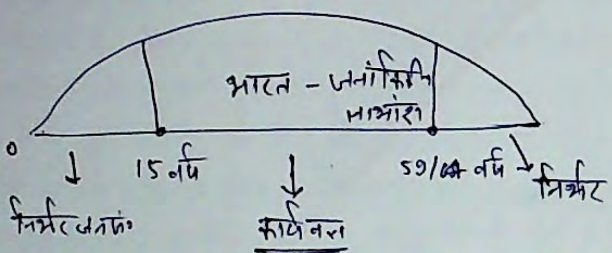

भूमिका और स्पष्ट करें

परन्तु समस्या यह है कि इस कार्यशील जनसंख्या को श्रम बल में कैसे बदला जाये क्योंकि जब तक ऐसा नहीं होगा तब तक जनांकिकीय लाभांश का फायदा हमको नहीं मिलेगा।

आज कुल कार्यशील जनसंख्या का लगभग 24% भाग उद्योगों में कार्यरत है। श्रमिकों एवं युवाओं के कौशल विकास हेतु 'राष्ट्रीय प्रशिक्षु संवर्द्धन योजना' महत्वपूर्ण पहल है -

- पढ़ाई छोड़ चुके या संलग्न युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- व्यवसायिक प्रशिक्षण का सर्टिफिकेट प्रदान करना
- प्रशिक्षण, प्लेसमेंट आधारित होगा।
- नवीन तकनीकों एवं नवीन कुशलताओं का विकास।
- प्रोत्साहन हेतु प्रोत्साहन राशि।

यदि इस पहल को ढंग से क्रियान्वित कर दिया जाए तो भारत विश्व की कौशल राजधानी बन सकती है तथा ब्रेन ड्रेन की जगह 'ब्रेन गेन' के रूप में बदल सकता है।

परन्तु इसमें कुछ चुनौतियां जैसे- अशिक्षा, अजागरूकता, वित्तीय समस्या, अनर्सलग्नता समस्या, प्रशिक्षण अभाव आदि विद्यमान है जिनके सम्यक निराकरण की आवश्यकता है।

कुशल मानवबल व मांग में तथ्यों को और स्पष्ट करें।

आवश्यकता इस बात की है कि यदि भारत को विश्व अर्थव्यवस्था में अपनी निरन्तरता को बनाये रखना है तो कौशल विकास को बढ़ावा देकर ही ऐसा संभव हो सकता है।

2½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

9. भारत में, खाद्य क्षेत्रक मूल्य संवर्धन की अपनी विपुल संभावनाओं के कारण उच्च विकास और उच्च लाभ वाले क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। उपर्युक्त कथन के संदर्भ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के प्रमुख घटक क्या हैं? आपूर्ति शृंखला के पूर्व और अग्र संबद्धताओं को समझाइये। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में सरकार की कुछ हालिया पहलों का भी उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 12.5

In India, the food sector has emerged as a high-growth and high profit sector due to its immense potential for value addition. In context of above statement, what constitutes the food processing industry? Explain the backward and forward linkages across supply chain? Also mention some of the recent initiatives of government in food processing industry? (250 words) 12.5

खाद्य सेक्टर, भारत का एक नवीन उभरता स्रोत है तथा इसके विकास की अपार संभावनाएं है इसका जीडीपी में योगदान निरन्तर बढ़ रहा है इसके निरन्तर विकास के कारण –

भूमिका और प्रभावी लिखें

- भारत का जनसंख्या आकार एवं बड़ा बाजार
- खाद्यान्न, फल, सब्जी आदि में भारत अग्रणी उत्पादक
- खाद्य अवसंरचना का बढ़ता स्तर।
- स्थानीय संसाधनों का उचित उपयोग

भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एक आपूर्ति श्रृंखला द्वारा निर्धारित होता है –

आपूर्ति श्रृंखला:
- बैकवर्ड लिंकेज — कृषि संसाधन, कृषि उत्पादन
- ↑
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग — उद्योग इकाईयां, उद्यमी, पूंजी
- ↓
- फारवर्ड लिंकेज → उपभोक्ता तक पहुंच

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस प्रकार खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए —

- अवसंरचनात्मक – कोल्ड स्टोरेज, सड़क, विद्युत की उपलब्धता।
- नवीन तकनीकों का प्रयोग – उत्पादन एवं वितरण में।
- कुशल मानव संसाधन।
- बेहतर बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेज।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग हेतु नवीन पहलें —

- मेगा फूड पार्कों की स्थापना
- सब्सिडी की उपलब्धता।
- तटीय क्षेत्रों में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना।
- कृषि अवसंरचना तथा खाद्य अवसंरचना में निरन्तर सुधार – विद्युत उपलब्धता, कोल्ड स्टोर, वेयर हाउस आदि सुधार।
- ई-नाम प्रणाली की सुधार। – मिशन सुधार।

इन उपायों से निश्चित तौर पर खाद्य-प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा वास्तव

खाद्य प्रसंस्करण के प्रमुख घटकों की ओर चर्चा करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में इस उद्योग के विकास से रोजगार संवर्द्धन के साथ ही पोषण युक्त खाद्य उपलब्धता से कुपोषण की समस्या से निजात मिलेगी और स्वस्थ भारत का निर्माण होगा।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1½	1	1/4	1/4	1/4	
Grade	C	B	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

10. कोई भी देश विनिर्माण आधार को मजबूत किये बिना महान नहीं बन सकता है। भारत में वर्तमान में विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति को बताते हुए 'औद्योगिक उत्पादन सूचकांक' को समझाएँ। हाल के वर्षों में भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने और अपनी अर्थव्यवस्था को बदलने के लिये उठाए गए कदमों का उल्लेख करें। (250 शब्द) 12.5

No country can be great without a robust manufacturing base. Explain 'Index of Industrial Production' (IIP) with describing present situation of manufacturing sector in India. Mention the recent steps that have been taken to make India a global manufacturing hub and to transform her economy. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

आज जब हम चीन के विकास को देखते हैं तो पाते है कि उसके विकास का आधार विनिर्माण उद्योग ही रहा है इसीलिए भारत सरकार भी अब विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि —

भूमिका को और प्रभावी लिखें

प्राथमिक क्षेत्र — द्वितीयक क्षेत्र — तृतीयक क्षेत्र

कृषि | ↓ | सेवा

विनिर्माण - एक सेतु

वास्तव में विनिर्माण क्षेत्र अर्थव्यवस्था के प्राथमिक एवं तृतीयक क्षेत्रों को जोड़कर समग्रता प्रदान करता है। राष्ट्रीय विनिर्माण नीति 2011 के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र भारत में रोजगार संवर्द्धन हेतु एवं उपभोक्ता सामग्री उपलब्धता हेतु आधार सिद्ध है।

भारत में जीडीपी में विनिर्माण क्षेत्र का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

योगदान अभी 16% है तथा मेक इन इंडिया कार्यक्रम द्वारा 25% लक्ष्य रखा गया है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का निर्माण इसलिए किया जा रहा है ताकि इसकी नियमित जाँच पड़ताल हो सके कि द्वितीयक क्षेत्र की स्थिति क्या है उसमें भी विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी कितनी है। इस सूचकांक में निम्न मानकों को आधार रूप में प्रयोग किया जाता है।

GDP में विनिर्माण क्षेत्र की भागीदारी को और स्पष्ट करें

विनिर्माण हेतु नवीन कदम -

- मेक इन इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत
- श्रम सुधार नीति लागू करना
- अवसंरचना सुधार - सड़क, पोर्ट, बिजली आदि ताकि उद्योगों की स्थापना हो।
- एफ.डी.आई. आकर्षित करने हेतु विभिन्न उपाय - FDI सीमा को को बढ़ाना।

संबंधित क्षेत्रों को और स्पष्ट करें

इस प्रकार सरकार निरन्तर प्रयास कर रही है कि देश में विनिर्माण गतिविधियां

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3

को बढ़ावा दिया जा सके। ताकि भारत विनिर्माण हब के रूप में विकसित कर समावेशी अर्थव्यवस्था बन सके।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	1/4	1/4	
Grade	C	C	C	C	B	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

11. काले धन से लड़ने, अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण करके और प्रशासनिक बोझ को कम कर 'इज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' में सुधार की योजना के साथ, फरवरी में घोषित नया बजट, एजेंडा 'ट्रांसफॉर्म, एनर्जाईज एंड क्लीन (टेक) इंडिया' के अनुरूप है। बजट 2017-18 के महत्त्वपूर्ण परिणामों और पहलों के प्रकाश में विश्लेषण कीजिये। बजट संख्याओं में सुधार दीर्घकालीन सुधारों का अथवा सिर्फ भाग्य का परिणाम है? टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

The new budget announced in February is in line with the agenda to 'Transform, Energize and Clean' (TEC) India, with plans to fight black money, digitize the economy and improve the ease of doing business by reducing the administrative burden. Analyze in the light of important outcomes and initiatives of budget 2017-18. The improvements in the budget numbers are the result of long term reforms or just the luck factor? Comment. (250 words) 12.5

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीव्रगति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है तथा आई. एम. एफ. ने इसे 'ब्राइट-स्पॉट' की संज्ञा दी है।

भूमिका को और स्पष्ट करें।

बजट 2017-18 की थीम 'ट्रांसफार्म, एनर्जाईज एवं क्लीन (टेक) इंडिया' थी वास्तव में इससे पूर्व ही सरकार ने कालेधन को रोकने, डिजिटलीकरण को बढ़ाने के लिए विमुद्रीकरण, डिजिटल इंडिया, भीम एप, आधार योजना योजना की शुरुआत कर दी थी इसकी ही अभिव्यक्ति इस साल के बजट में हुई।

प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिए 'मिनिमम गवर्नमेंट मैक्सिमम गवर्नेंस' का रास्ता अपनाया गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन सब उपायों का परिणाम यह रहा कि भारत में निर्विवाद कर्ता आसान हो गया। बजट 2017-18 की महत्वपूर्ण पहलें -

- रेल बजट का सामान्य बजट में विलय।
- 1 फरवरी को बजट पारित (1 माह पूर्व ही)
- योजनागत एवं गैर योजनागत व्यय की समाप्ति।
- निम्न वर्ग को प्रोत्साहन, स्वच्छता, कृषि, उद्योग, अवसंरचना आदि के आधार पर 10 श्रेणियों का निष्पादन।

मेक इंडिया जैसे योजनाओं का उल्लेख करें तथा बताएं कि बजट आवंटन के प्रगतिशील आंकड़े समय की आवश्यकता थी।

परिणाम -

- इससे एकीकृत बजट प्रावधान लागू।
- व्यय एवं जमा का उचित मूल्यांकन एवं मानीटरिंग
- 'सबका साथ सबका विकास' का सपना साकार होगा।

आवश्यक चर्चा न है

वास्तव में यदि भारतीय अर्थव्यवस्था में सतत रूप प्रदान करना है तो निरन्तर दीर्घकालिक सुधार जारी रखने होंगे ~~तथा~~ क्योंकि नवीन अवसरों के साथ नवीन चुनौतियां भी पैदा होती रहती

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हैं इनका शमन करना अति आवश्यक है।

प्रश्न के संदर्भ को समझने का प्रयास करें।

1

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1/2	1/2				
Grade		D	D				

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

12. (a) 'रेनसमवेयर' क्या है? इसके संभावित खतरों और इन खतरों से निपटने के उपायों पर चर्चा कीजिये। 6.5

What is 'Ransomware'? Discuss its possible hazards and measures to deal with these hazards. 6.5

'रेनसमवेयर' एक कम्प्यूटर वायरस है जो वास्तव में साइबर हैक करने में सक्षम है तथा यह कम्प्यूटर प्रणाली को बाधित कर सकता है।

संभावित खतरे -

- महत्वपूर्ण कम्प्यूटर फाइलों की चोरी।
- डाटा स्टोर एवं प्रोसेसिंग में बाधाएं।
- सुरक्षा संबंधी खतरे।
- बैंकिंग क्षेत्र में डाटा चोरी।

उपाय -

- इस प्रकार के वायरसों से निपटने हेतु कम्प्यूटर को अपडेट करना चाहिए।
- कम्प्यूटर एवं इंटरनेट पर सुरक्षा उपायों की संख्या का निर्माण।
- इसके प्रति उत्तर में एंटीवायरस प्रणाली का निर्माण।

रेनसमवेयर का सही परिचय दें।
virus, worms, Trojan एवं Ransomware सभी मालवेयर के प्रकार हैं।
संबंधित खतरों को और स्पष्ट करें।
• डाटा बैक-अप रखना
• प्रॉक्सी सर्वर का उपयोग।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके पूर्व ईरान के कम्प्यूटरों में स्टक्सनेट, अभी ही में अमेरिका में मालवेयर का हमला आदि होते रहे हैं।

वर्तमान में बढ़ते डिजिटलीकरण के कारण इन चुनौतियों से निपटना अति आवश्यक है ताकि सरकार व लोगों को बढ़ावा मिले।

(b) भारतीय अनुसंधानकर्त्ताओं द्वारा जी-प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर (GPCR) के संबंध में किया गया हालिया अनुसंधान जैव-प्रौद्योगिकी और चिकित्सा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान कर सकता है। स्पष्ट करें। 6

A recent research related to G Protein-Coupled Receptors (GPCR) by Indian Researchers can confer immense contribution in the field of Biotechnology and Medicine. Clarify. 6

जी-प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर एक नवीनतम प्रौद्योगिकी विकास है जो भारतीय अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किया गया इससे न केवल जैव-प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा मिलेगा। अपितु चिकित्सा के क्षेत्र में इसके बड़े अनुप्रयोग हैं —

— कई असाध्य बीमारियों में उपयोगी।

GPCR के बारे में स्पष्ट लिखें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- इसके आधार पर नयी चिकित्सा प्रणाली का विकास।
- प्रोटीन मानचित्रण में मदद।

इस प्रकार इस तकनीक से भारत को नयी उम्मीद जगी है तथा भारत में चिकित्सा प्रणाली को नया रूप देने में यह सहायक हो सकती है।

नवीन शोधकार्य तथा प्रणाली उपयोगिता का स्पष्ट उल्लेख कीजिए

अपूर्ण

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	¼	1½	1	¼	¼	¼	
Grade	C	B	C	C	C	C	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. जैसे-जैसे जनसंख्या में वृद्धि होती है, हमें वैश्विक खाद्य मांग को पूरा करने के लिये अधिक फसलों की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में 'नॉन फोटोकेमिकल क्वेंचिंग' से संबंधित नया अनुसंधान कैसे सहायक होगा? (250 शब्द) 12.5

As human population increases, we would need more to crops in order to cater to the global demand for food. In this context how the new research related to 'non-photochemical quenching' will be helpful. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आज भारत की आबादी 1.25 अरब तक पहुंच गई है तथा आशंका व्यक्त की जा रही है कि 2025 तक हम सबसे बड़े जनसंख्या वाले देश हो जायेंगे। विश्व स्तर पर आबादी 7 अरब से ज्यादा है जो निरन्तर बढ़ रही है।

जैसे-जैसे जनसंख्या वृद्धि होगी वैसे-वैसे हमें अधिक फसलों या खाद्य की आवश्यकता होगी। विश्व स्तर पर खाद्य उपलब्धता को बनाये रखने हेतु निरन्तर नवीन तकनीकों का इस्तेमाल करके ही उत्पादकता को बढ़ाकर ही इसे सुरक्षित रखा जा सकता है।

इस संदर्भ में 'नॉन फोटोकेमिकल क्वेनचिंग' अनुसंधान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके द्वारा प्रकाश रासायनिक क्रिया के अभाव में भी उत्पादन संभव हो सकेगा जिससे —

वैश्विक खाद्य आवश्यकता का उल्लेख बेहतर

NPQ का सही परिचय दें तथा नवीन अनुसंधान के बारे में बताएं

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- नवीन फसलों का उत्पादन होगा।
- ताप प्रतिरोधी या विषम जलवायु में भी फसलों को उगाया जा सकेगा।
- प्रकाश-संश्लेषण का विकल्प सम्भव होगा।
- खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चितता।
- गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ।

वास्तव में इस विधि द्वारा गहरे सामुद्रिक संसाधनों की प्राप्ति भी संभव हो सकेगी क्योंकि वहाँ प्रकाश की अनुपलब्धता के बावजूद उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

इस प्रकार 'नान फोटोकैमिकल सीडिंग' तकनीक पुरानी तकनीक को प्रतिस्थापित कर खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से मिशन के लिए वरदान साबित हो सकती है।

1

विषय वस्तु का अध्ययन करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. जीन संपादन तकनीक में CRISPR (क्लस्टर रेग्युलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पेलिण्ड्रोमिक रिपीट्स) एक ऐतिहासिक सफलता है। इसकी प्रयोज्यता और संबंधित समस्याओं को समझाइये। (250 शब्द) 12.5

CRISPR (Clustered Regularly Interspaced Short Palindromic Repeats) is a historic breakthrough in the gene editing technology. Explain its applicability and related concerns. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

जीन हमारे शरीर की आवश्यक इकाई है। जीन संपादन तकनीक में 'क्रिस्पर तकनीक' वास्तव में एक ऐतिहासिक बिंदु है यदि इस तकनीक का सफल अनुप्रयोग संभव हुआ तो एक साथ कई चिकित्सीय समस्याओं का निदान संभव हो सकेगा।

इस तकनीक में कैस-9 प्रोटीन का उपयोग किया जाता है तथा यह वास्तव में जीन एडिटिंग की नवीन प्रणाली है।

CRISPR तकनीक एवं कार्यविधि को स्पष्ट करें।

उपयोगिता -

— असाध्य बीमारियां जैसे- अल्जाइमर आदि का निदान एवं उपचार संभव होगा।

— मनोवांछित गुणों की प्राप्ति - जैसे जीन से शक्ति मिल सकती है।

— किसी विशिष्ट गुण वाले जीन का आरोपण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संभव होगा।

- स्टेम सेल का विकल्प हो सकता है।
- जन्मजात बीमारियों से मुक्ति।

चुनौतियां -

- नैतिक तथा सामाजिक समस्याओं संबंधी चुनौतियां।
- गरीब तथा भारत जैसे विकासशील राष्ट्रों में सीमित उपयोगिता।
- अभी प्रायोगिक स्तर पर ही है।
- जीनों को बदलकर अवांछित लाभ प्राप्ति की होड़।

इस प्रकार यदि यह नवीन तकनीक हमें नये अवसर प्रदान करती है तो दूसरी तरफ इसके नुकसान भी हैं अतः जरूरत है कि भली भांति परीक्षण एवं तकनीक विकास के बाद ही इसका अनुप्रयोग मानव पर हो ताकि असाध्य बीमारियों से मुक्ति मिल सके।

प्रयोज्यता को और स्पष्ट करें।

• मानव प्रजनन हेतु प्रयोग का भय
• पारिस्थितिकी असंतुलन का खतरा

2 ½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलीवरी सिस्टम, ई-सिगरेट का सबसे सामान्य प्रोटोटाइप है जो धूम्रपान छोड़ने की कोशिश कर रहे लोगों के लिये नए युग का सूत्र है। तथापि, यह तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में वायदे और खतरे का साथ-साथ प्रस्तुत करता है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Electronic nicotine delivery systems (ENDS), the most common prototype of which is e-cigarettes are the new age formula for people trying to quit smoking. However, they present a simultaneous promise and threat in the world of tobacco control. Critically examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आज विश्व स्तर पर धूम्रपान करने वालों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है यद्यपि इसके नियंत्रण के प्रयास विश्व स्तर से लेकर देश-राष्ट्र स्तर पर निरन्तर किये गये है जैसे- तम्बाकू नियंत्रण एवं रोकथाम कन्वेंशन आदि।

इसी दिशा में धुंआयुक्त तम्बाकू अर्थात सिगरेट के रोकथाम हेतु पहले ई-सिगरेट का विकल्प उपलब्ध करवाया गया ताकि लोग धीरे-धीरे सिगरेट पीने की आदत को छोड़ सके परन्तु इसमें भी सफलता नहीं मिली इसी का ही एक रूप इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलीवरी सिस्टम है जिसमें निकोटिन की अत्यन्त मात्रा को इलेक्ट्रॉनिक तरह से प्रवेश कराया जाता है।

ई- सिगरेट का स्पष्ट परिचय दें।

ई-सिगरेट के लाभ का स्पष्ट उल्लेख करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

ई- सिगरेट की अवधारणा को वास्तव में सिगरेट छोड़ने वालों के लिए एक अच्छा विकल्प है परन्तु इसमें भी समस्याएं हैं -

- निकोटिन की मात्रा का प्रवेश होता ही है।
- ई. सिगरेट का आदी बन सकता है।
- महँगा है - स्वास्थ्य दृष्टि से भी कभी-कभी अति घातक सिद्ध हो सकता है।
- ग्रामीण क्षेत्रों एवं पिछड़े क्षेत्रों में अनुपलब्धता है।

इसलिए यदि तम्बाकू निषेध एवं मुक्ति को बढ़ावा देना है तो ई-सिगरेट या विकल्प होने के बावजूद इसकी समाप्ति पर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि निकोटिन की प्राप्ति तो ई-सिगरेट से भी होती है अतः तम्बाकू नियंत्रण उपायों को कठोरता से लागू करना चाहिए ताकि युवा आबादी इसकी चपेट में आने से बच सके।

चुनौतियों को और स्पष्ट करें

3

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. व्याधि नियंत्रण और समग्र समाजार्थिक एवं मानव विकास के लिये 'प्रतिरक्षा चिकित्सा' में विपुल संभावनाएँ हैं। एड्स (AIDS) के उपचार में प्रगति के संदर्भ में कथन की व्याख्या करें। (250 शब्द) 12.5

Immunotherapy has a huge potential for disease control and overall socio-economic and human development. Explain the statement in the control of advances made in AIDS treatment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रतिरक्षा चिकित्सा वह है जो हमारा शरीर स्वयं बीमारियों से लड़ने में सक्षम हो। वास्तव में यह चिकित्सा बीमारियों पर नियंत्रण तथा समग्र विकास हेतु महत्वपूर्ण है इसके —

प्रतिरक्षा चिकित्सा को और स्पष्ट करें

- अनावश्यक दवाईयों के प्रयोग से बचते हैं।
- धन व समय की बचत - आर्थिक उपयोगिता
- प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत - प्रत्येक समय एवं स्थान के लिए अनुकूलित हो सकते हैं।

एड्स वास्तव में एक वायरस जनित रोग है जिसमें शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र अत्यन्त कमजोर हो जाता है यह असुरक्षित यौन संबंधों, गलत सुई के इस्तेमाल आदि से होता है। निश्चित स्वरूप यह असाध्य बीमारी काफी भयावह है तथा इसे लाइलाज

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

माना जाता है। इसके उपचार हेतु 'प्रतिरक्षा चिकित्सा' महत्वपूर्ण हो सकती है —

- एड्स के नियंत्रण में मदद मिलेगी।
- प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होने से इसकी प्रभावशीलता में कमी आयेगी।
- सस्ती एवं पहुंच में उपलब्ध होगी।

भारत में एड्स नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'एड्स नियंत्रण कार्यक्रम' चलाया जा रहा है परन्तु अभी भी अपेक्षित सफलता मिल नहीं पाई अतः जरूरत इस बात की है कि 'प्रतिरक्षा चिकित्सा' का विकल्प अपनाया जाये क्योंकि यह एड्स के उपचार में क्रांतिकारी कदम सिद्ध हो सकता है तथा स्वस्थ भारत का सपना पूरा हो सकता है।

एड्स उपचार हेतु में प्रतिरक्षा चिकित्सा में हुई प्रगति की स्पष्ट चर्चा करें।

3

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

19. इंटरसेप्टर मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है और भारत की प्रतिरक्षा क्षमता में एक अन्य सामर्थ्य है। सपष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The successful test of Interceptor Missile System (IMS) is a milestone achievement and adds another feather in India's defence capability. Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इंटरसेप्टर मिसाइल प्रणाली वह तकनीक है जो शत्रु की मिसाइल को लक्ष्य भेदने से पहले ही रोक देगी। भारत इस संदर्भ में 2 प्रकार की मिसाइलों को विकसित कर रहा है —

BMD — PDV, AAD

इंटरसेप्टर मिसाइल प्रणाली
- अश्विन प्रणाली
- प्रद्युम्न प्रणाली

इन मिसाइलों के विकास से — भारतीय इंटरसेप्टर मिसाइल कार्यक्रम का उल्लेख करें

— स्वदेशी तकनीक विकास में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि
— प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत
— चीन एवं पाकिस्तान से सुरक्षा
— भारतीय उपमहाद्वीप में सशक्त स्थिति
— महत्त्वपूर्ण स्थलों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा।

प्रतिरक्षा में इसकी उपयोगिता को और स्पष्ट करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके अतिरिक्त कुछ चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं—

- चीन द्वारा उपग्रहों को नष्ट करने वाली मिसाइल का परीक्षण करना।
- अग्नी सेना में शामिल होने में समय लग सकता है।
- सटीकता एवं मारक क्षमता।

अतः भारत को ऐसी प्रौद्योगिकी का विकास करना चाहिए जो पूर्णतया सुरक्षित हो। साथ ही हमारे पड़ोस की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। सभी आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

20. भारत तीव्रता से डिजिटल हो रहा है, लेकिन क्या यह सुरक्षित रूप से डिजिटल हो रहा है? टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

India is going digital swiftly, but is it going digital safely. Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में डिजिटलीकरण का कार्यक्रम तीव्रता से आगे बढ़ रहा है तथा यह अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जैसे प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इसीलिए सरकार ने 'डिजिटल इंडिया कार्यक्रम' की शुरुआत की है। विमुद्रीकरण, कैशलेस अर्थव्यवस्था, भीम एप, ई-मेडिसिन एवं एजुकेशन इसी के रूप में हैं।

खतरें -

- हैकिंग, साइबर असुरक्षा बड़ी चुनौतियाँ हैं।
- आतंकवादी एवं उग्रवादी इनको क्षति पहुँचाया करते है।
- सुरक्षा एजेंसियों के लिए नयी चुनौतियाँ।
- साइबर आतंकवाद का खतरा।
- अन्य तकनीकी भी चलाएं बढ़ रही हैं।

इसलिए इस बात पर जोर दिया जा

> सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को और स्पष्ट करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रहा है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था या डिजिटल भारत सुरक्षित रूप में लागू हो –

<u>रणनीति</u> –

- CERT जैसी एजेंसियों को सक्षम करना।
- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को ढंग से लागू करना।
- सोशल मीडिया पर उड़ने वाली अफवाहों पर नियंत्रण।
- डिजिटल आतंकवादियों की भर्ती पर निरन्तर निगरानी।
- विभिन्न इलेक्ट्रानिक एजेंसियों पर नियंत्रण एवं समन्वय।

इन उपायों को अपनाकर सुरक्षित डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया जा सकता है साथ ही डिजिटल डिवाइड को भी कम करना होगा ताकि समावेशी डिजिटलाइजेशन हो सके।

संभावित खतरों की ओर चर्चा करें

2 1/4

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation